

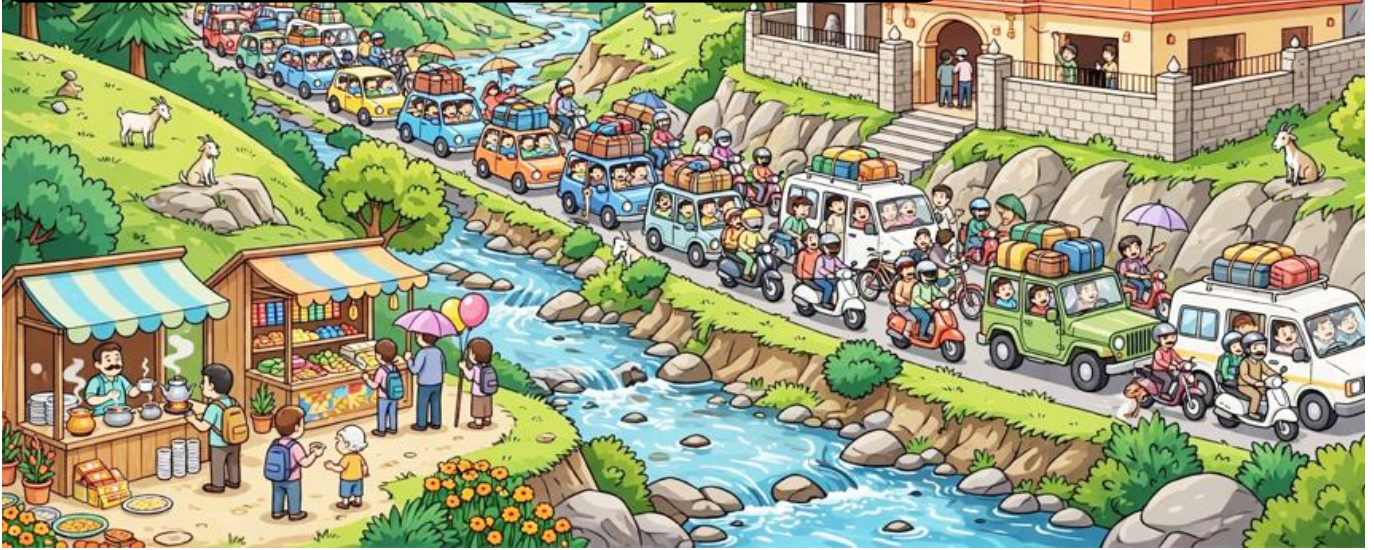
# पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 20 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 19 अक्टूबर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती  
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोल्या,  
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com  
Website-  
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती  
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल  
मंगल सिंह मर्तोल्या



## कैँची : श्रद्धा से ज्यादा भब्ड ट्रैफिक नियंत्रण नहीं हो पा रहा, यात्री हांफने लगे हैं

- अब चर्चा शुरू मन्दिर को धाम कैसे मानें
- काठगोदाम से ही होने लगा है भयंकर जाम
- पहाड़ की ठण्डी हवा के बहाने मौजी ज्यादा
- लम्बी दूरी के यात्रियों का रूटीन खराब
- स्थानीय निवासी भी ऐसे में दिक्कत में

### कार्यालय प्रतिनिधि

नैनीताल। कैँची धाम में बढ़ते जा रहे जाम ने पहाड़ की दिनचर्या में आफल घोल दी है। इसके अलावा वीकेंड में हो रहे पर्यटकों के आकर्षण से सारे मुख्य मार्गों पर जाम से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरी परेशानी निपटने के लिये शासन-प्रशासन यातायात व पार्किंग को लेकर मण्डलायुक्त

### की बैठक और अपील

आयुक्त कुमाऊँ एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत ने जिला विकास प्राधिकरण सभागार नैनीताल में कैँचीधाम में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने वीकेंड पर बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बेहतर यातायात प्रबन्धन और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे होटल की अग्रिम बुकिंग कर ही कैँचीधाम आएँ। उन्होंने वीकेंड पर सभी उपजिलाधिकारियों, सीओ, एआरटीओ और जिला पर्यटन अधिकारी को आपसी समन्वय से व्यवस्था की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग को

किसी भी तरह का प्लान नहीं कर पा रहा है। कहने को तो लम्बे समय से वाईपास रोड सहित तमाम सपने दिखाए जा चुके हैं लेकिन जिस प्रकार की आफत 'कैँची' को लेकर मचने लगी है, उसमें श्रद्धा से ज्यादा भब्ड दिखाई दे रहा है। बाहर से पहाड़ की सैर पर आने वाले और सुनी-सुनाई बातों पर भीड़ बनाने वालों के कारण बहुत ही बुरा प्रभाव दिखाई देने लगा है। यही कारण है कि जितना भयंकर प्रचार-प्रसार कैँची क्षेत्र को लेकर हुआ था, अब इस स्थान पर होने वाली परेशानियों को लेकर उतना ही ज्यादा बखाना हो रहा है। हर तरह से नैनीताल, भीमताल सहित आस-पास के पर्यटक स्थलों को लेकर सोशल मीडिया में भी लोगों ने गुस्सा उतारा है। जाम से जूझने वाले और ठगी का शिकार लोगों ने आपबीती सुनाई है।

जिस कैँची मन्दिर क्षेत्र को अब कैँची धाम कहा हा रहा है, वह वास्तव में क्या है, इस पर क्षेत्रवासी खुलकर बोल रहे हैं। असल में प्रचार-प्रसार के बाद कुछ कारोबारी जरूर खुश हो सकते हैं लेकिन जिस तरह से हर कोई परेशान हो चुका है वह सोचनीय है। श्रद्धाभाव रखने वाले जरूर श्रद्धा करें लेकिन दूसरे कोई भी जाम आदि से परेशान न हों इसके लिये त्वरित कदम उठाने चाहिये। बताते चलें कि भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर नाँम करोली बाबा के ठहराव के साथ कैँची मन्दिर की चर्चा होने लगी थी और राह चलते कुछ लोग दर्शन को चले जाते थे। हाल के वर्षों में जिस प्रकार से इसका प्रचार बढ़ा है, इसका व्यावसायिक व

अन्य फायदा लेने के लिये तैयारी होने लगी। धर्मभीरु जनता दूर-दूर से आने लगी और ऐसा जैसा हो गया मानो बद्री केदार धाम की यात्रा के लिये उमड़ रहे हों। देखते-देखते अथाह भीड़ जारी है। एकमात्र मुख्य मार्ग में दोनों ओर वाहनों की कतार लगती है, ऊपर से कैँची के आसपास सैकड़ों की भी भीड़ सड़क यूकेडी की बैठक में

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल (उक्राद) की जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कैँची धाम के आसपास आए दिन लग रहे भीषण ट्रैफिक जाम और उससे पूरे पर्वतीय क्षेत्र की व्यवस्था पर पड़ रहे असर को लेकर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ की 'लाइफ लाइन' कहे जाने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि अल्मोड़ा से हल्द्वानी पहुँचने में लोगों को 12-12 घण्टे का समय लग रहा है। इस व्यवस्था से न केवल अल्मोड़ा बल्कि रानीखेत, सोमेश्वर, बागेश्वर, कपकोट, थल,

पर दिखाई देती है। इस भब्ड में वह सब दिखाई दे रहा है जो पहले कभी नहीं होता था। प्रसाद की दुकानें खुल चुकी हैं जिसमें लड्डू खरीदने वालों की भीड़, कम्बल, माला, फोटो इत्यादि की दुकानें जिसमें अथाह भीड़, पार्किंग व रुकने के कुछ होटल आदि जो हरसमय घिरे हैं, शेष पृष्ठ 5 पर

### यूकेडी की बैठक में भीषण ट्रैफिक जाम

को लेकर चिन्ता और मांग रखी अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल (उक्राद) की जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कैँची धाम के आसपास आए दिन लग रहे भीषण ट्रैफिक जाम और उससे पूरे पर्वतीय क्षेत्र की व्यवस्था पर पड़ रहे असर को लेकर गहन चर्चा हुई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ की 'लाइफ लाइन' कहे जाने वाले इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि अल्मोड़ा से हल्द्वानी पहुँचने में लोगों को 12-12 घण्टे का समय लग रहा है। इस व्यवस्था से न केवल अल्मोड़ा बल्कि रानीखेत, सोमेश्वर, बागेश्वर, कपकोट, थल,

पिथौरागढ़, डीडीहाट और गढ़वाल मण्डल के कई क्षेत्रों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उक्राद नेताओं ने चिन्ता जताते हुए कहा कि लम्बे जाम के कारण पहाड़ों में राशन, फल, साग-सब्जियों और दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। सबसे गम्भीर स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बनी हुई है, जहाँ एम्बुलेंस और गम्भीर मरीजों को समय पर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक पहुँचाना बेहद मुश्किल हो गया है। उक्राद ने शासन-प्रशासन के सामने रखी मांगें उत्तराखण्ड क्रान्ति दल अल्मोड़ा इकाई ने शासन व प्रशासन से मामले का संज्ञान

शेष पृष्ठ 5 पर